# अमेरिका- बाइडेन प्रशासन ने ऊर्जा विभाग में की चार भारतवंशियों की नियुक्ति

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रीय देश अमेरिका में नवनियुक्त राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता संभालने के बाद प्रशासन ने ऊर्जा विभाग में चार महत्वपूर्ण पदों पर भारतवंशियों को नियुक्त किया है। प्रशासन ने चीफ ऑफ स्टाफ के पद पर तारक शाह को नियुक्त किया है। शाह इस पद पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के पहले अमेरिकी बन गये हैं। तान्या दास को विज्ञान से जुड़े मामलों के विभाग 'ऑफिस ऑफ साइंस' की चीफ ऑफ स्टाफ बनाया गया है, नारायण सुब्रमण्यम 'ऑफिस ऑफ जनरल काउंसेल' में विधिक सलाहकार के पद पर नियुक्त हुए हैं और शुचि तलाती जीवाश्म ऊर्जा से संबंधित विभाग 'ऑफिस ऑफ फॉसिल एनर्जी' में चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त की गई हैं। ऊर्जा विभाग में वरिष्ठ स्तर पर १९ अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा के बाद शाह ने कहा, 'ये प्रतिभावान एवं कुशल लोक सेवक राष्ट्रपति जो बाइडेन के जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने एवं भविष्य में एक बेहतर स्वच्छ ऊर्जा के निर्माण के लक्ष्य को पूरा करेंगे। शाह ने कहा, 'अपने मार्गदर्शन, व्यापक अनुभव एवं वैज्ञानिक तरीकों का पालन कर ऊर्जा विभाग में नियुक्त हुए ये नए लोग स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण में योगदान करेंगे, जिससे लाखों अमेरिकियों के लिए रोजगार पैदा होंगे और भविष्य की पीढ़ी के लिए एक बेहतर एवं सुरक्षित धरती के निर्माण में योगदान मिलेगा।' इसके अलावा डेविड जी हुइजेंगा ऊर्जा विभाग में कार्यवाहक सचिव के तौर पर सेवा देंगे। हाल में वह राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन में सहायक प्रधान उप प्रशासक के पद पर थे तथा वह १९८७ से ही विभाग से जुड़े थे। तारक शाह ऊर्जा नीति विशेषज्ञ हैं और उन्होंने पिछले दशक में जलवायु परिवर्तन से निपटने पर काम किया है। तान्या दास हाल में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में विज्ञान, अंतरिक्ष एवं प्रौद्योगिकी मामलों की कमेटी की पेशेवर सदस्य थीं। इस दौरान उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा और निर्माण नीति से संबंधित कई मुद्दों पर काम किया। नारायण सुब्रमण्यम बर्कले लॉ में सेंटर फॉर लॉ, एनर्जी एंड एनवायरनमेंट में अतिथि अनुसंधान विशेषज्ञ थे। वहीं, शुचि तलाती कार्बन १८० में वरिष्ठ नीति सलाहकार थीं। उन्होंने कार्बन हटाने के लिए टिकाऊ एवं उचित प्रौद्योगिकी के निर्माण से संबंधित नीतियों पर फोकस किया।

# कृषि सुधारों का लंबे समय का इंतजार था, इससे किसानों को फायदा होगा : राष्ट्रपति

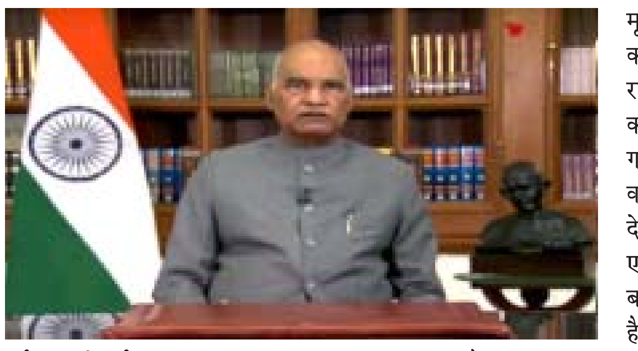

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में भी कृषि कानून छाये रहे। राष्ट्रपति ने कहा, ठकृषि सुधारों का लंबे समय का इंतजार था, इससे किसानों को फायदा होगा। शुरुआती दौर में कृषि कानूनों को लेकर कुछ आशंकाएं थीं, जिन्हें दूर किया जा रहा है।ठ उन्होंने यह भी कहा कि देश के किसान, वैज्ञानिक और सैनिक विशेष तौर पर प्रशंसा के पात्र हैं और गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर देश उन्हें शुभकामनाएं देता है। राष्ट्रपति ने कहा, ठ२०२० सीख देने वाला वर्ष रहा है। ऐसे साफ सुंदर पर्यावरण हमें देखने को मिला। भविष्य में ऐसी महामारियों के खतरे को कम करने के लिए जलवायु परिवर्तन पर पूरी दुनिया ज्यादा ध्यान देगी। उन्होंने आपदा को अवसर में बदलने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख किया, आत्मनिर्भर भारत और किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य का उल्लेख किया, लोगों से महात्मा गांधी, डॉ। भीम राव अंबेडकर के मूल्यों और आदर्शों पर अमल करने को कहा। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की सीमा की सुरक्षा कर सैनिकों पर देश को गर्व है। कोरोना काल का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देशवासियों ने परिवार की तरह एकजुट होते हुए सेवा और बलिदान देकर देश की रक्षा की है। उन्होंने अग्रिम पंक्ति के योद्धा के तौर पर कोरोना से लड़ने वाले वर्कर्स डॉक्टरों, हेल्थ वर्कर्स और सफाईकर्मियों की सेवा और समर्पण को भी याद किया। राष्ट्रपति ने कहा कि विविधता भरे भारत में कोरोना पर काबू पाने में हम काफी हद तक सफल रहे हैं। राष्ट्रपति ने कोरोना की महामारी को काबू में करने के साथ देश में ही वैक्सीन के निर्माण का जिक्र किया। साथ ही सभी लोगों से टीका लगवाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों ने नई तकनीक को अपनाकर शिक्षा की निरंतरता को बनाए रखा। उन्होंने बिहार समेत कई राज्यों में शांतिपूर्वक विधानसभा चुनाव संपन्न कराने की बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि अर्थव्यवस्था ने फिर मजबूती के संकेत दिए हैं। जीएसटी का रिकॉर्ड संग्रह इसका संकेत है, सरकार ने एमएसएमई के साथ अन्य संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए मदद जारी की है। राष्ट्रपति ने कहा ठ पिछले साल भारत ने कई चुनौतियों का सामना किया। भारत ने विस्तारवादी ताकतों का सामना किया, देश संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी दुस्साहस का जवाब देने में सक्षम है।ठ उन्होंने देश की सुरक्षा की खातिर वीरगति को प्राप्त २० सैनिकों को याद किया। सैनिक सियाचिन, लद्दाख के -५० डिग्री में शरीर को गला देने वाली ठंड से लेकर जैसलमेर के ५० डिग्री की प्रचंड गर्मी में सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं।

# कोरोनारोधी वैक्सीन की दो खुराक के बीच के अंतर को लेकर ब्रिटेन में छिड़ी बहस

लंदन (ईएमएस)। घातक महामारी कोरोना से निजात दिलाने वाली वैक्सीन के आने ते बाद अब टीके की दो खुराक के बीच १२ हफ्ते का अंतर रखने को लेकर यहां बहस छिड़ गई है। ब्रिटेन की सरकार के इस कदम उद्देश्य अधिक से अधिक संख्या में लोगों को टीके की कम से कम पहली खुराक देना है। ब्रिटेन में प्राथमिकता वाले समूहों के लोगों को कोविड-१९ के दो तरह के टीके लगाए जा रहे हैं। इनमें एक टीका फाइजर-बायोएनटेक का है और दूसरा टीका ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका का है। दोनों ही टीकों की दूसरी खुराक कुछ हफ्ते के अंतर के बाद दिये जाने की जरूरत बताई गई है। टीके की दूसरी खुराक २१ दिनों के अंदर दिये जाने की शुरुआती सलाह को ब्रिटिश सरकार के वैज्ञानिकों ने संशोधित कर दिया और दो खुराक के बीच १२ हफ्ते का अंतर रखने का सुझाव दिया है। इसका उद्देश्य, कहीं अधिक संख्या में लोगों को टीके की कम से कम एक खुराक देना है ताकि उन्हें कोविड-१९ के खिलाफ कुछ हद तक तत्काल सुरक्षा कवच मिल सके। टीकाकरण एवं प्रतिरक्षण पर सरकार की संयुक्त समिति ने दावा किया है कि अप्रकाशित आंकड़ों से यह पता चलता है कि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका टीका, दो खुराक के बीच १२ हफ्ते का अंतर रखे जाने पर भी वह प्रभाव क्षमता रखती है। हालांकि, अमेरिकी औषधि कंपनी फाइजर ने कहा है कि उसने अपने टीके की प्रभाव क्षमता की जांच दो खुराक के बीच २१ दिनों का अंतर रख कर की थी, जबकि इस अवधि को बढ़ाये जाने से इसकी प्रभाव क्षमता को लेकर कुछ संदेह पैदा होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दो खुराक के बीच चार हफ्ते का अंतर रखने का सुझाव दिया है, और इसे केवल अपवाद वाली परिस्थितियों में ही बढ़ा कर छह हफ्ते तक किया जाए। इंग्लैंड के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) प्रोफेसर क्रिस व्हिटी ने शुक्रवार को फिर से कहा था कि दो खुराक के बीच अंतर बढ़ा कर अधिकतम १२ हफ्ते किये जाने से कहीं अधिक शीघ्रता से काफी ज्यादा संख्या में लोगों को टीका लगाया जा सकता है। प्रो. व्हिटी को लिखे एक पत्र में ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) ने कहा है कि वह इस बात से सहमत है कि टीका यथासंभव शीघ्र लगाया जाना चाहिए लेकिन इस नई नीति की समीक्षा करने और दो खुराक की अवधि घटाने की अपील की। बीएमए कौंसिल के अध्यक्ष डॉ. चांद नागपाल ने कहा कि इस बारे में चिंता बढ़ रही है कि खुराक के बीच १२ हफ्ते का अंतर रखने से टीके की प्रभाव क्षमता घट जाएगी। वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है, 'इंग्लैंड में प्रत्येक १० वयस्क व्यक्ति में एक को टीके की पहली खुराक मिल चुकी है। इनमें ८० साल से अधिक उम्र के लोगों का ७१ प्रतिशत और बुजुर्ग देखभाल केंद्र में रहने वाले लोगों का दो तिहाई हिस्सा भी शामिल है। लेकिन शीर्ष चार प्राथमिकता समूहों में फरवरी के मध्य तक हर किसी को पहली खुराक देकर हम अपने लक्ष्य तक पहुंचने के पथ पर बढ़ते रहेंगे।'

# गृहमंत्री शाह के असम दौरे का विरोध, सीएए वापस लेने की मांग, दिखाए काले झंडे

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के गृहमंत्री अमित शाह के पूर्वोत्तर राज्य असम के दौरे पर पहुंचने पर ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और कृषक मुक्ति संग्राम समिति ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को वापस लेने की मांग की। कई जिलों में एएसयू के सदस्यों ने विवादास्पद अधिनियम की प्रतियां जलाईं, जबकि गुवाहाटी और अन्य स्थानों पर उन्होंने काले झंडे लहराए। एएएसयू के अध्यक्ष दिपांका कुमार नाथ ने कहा कि सीएए ने असमिया लोगों के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। साथ ही उनकी संस्कृति, पहचान और भाषा को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक सीएए को निरस्त नहीं किया जाता, हम अपना विरोध जारी रखेंगे। इस बीच, कृषक मुक्ति संग्राम समिति के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजमार्ग -२७ को अवरुद्ध कर दिया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के पुतले जलाए। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लिया और रास्ता साफ किया। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोकराझार में पहले बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र समझौते दिवस समारोह में भाग लिया, और कहा कि ठऐतिहासिक संधिठ ने शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त करते हुए पूर्वोत्तर में उग्रवाद को समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। नलबाड़ी में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस-एआईयूडीएफ गठबंधन घुसपैठियों का स्वागत करने के लिए 'सभी फाटक' खोलेगा, अगर वह सत्ता में आते हैं।

# केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद लॉन्च करेंगे डिजिटल वोटर आईडी कार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद वोटर आईडी कार्ड का इलेक्ट्रोनिक वर्जन लॉन्च करने जा रहे हैं। जिसे मोबाइल फोन या किसी पर्सनल कम्प्यूटर पर डाउनलोड किया जा सकता है। ये ई-इलेक्टर फोटो पहचान पत्र नोन-एडिटेबल वर्जन में उपलब्ध होगा यानी इसे आप एडिट नहीं कर सकेंगे। इसे आप डिजिटल लॉकर जैसी जगहों पर रख सकेंगे इलेक्शन कमिशन से मिली जानकारी के मुताबिक अगर आप इसका प्रिंट निकालकर रखना चाहें तो आप इसका पीडीएफ नर्जन भी निकाल सकते हैं। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा, केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद इ-इपिक प्रोग्राम लॉन्च करेंगे और पांच वोटर्स को इलेक्टर फोटो पहचान पत्र बांटेंगे। बयान में कहा गया कि आम वोटर कार्ड प्रिंट होने में समय लगाते हैं और वोटर के पास पहुंचने में भई उन्हें टाइम लगता है। इसे लॉन्च करने के पीछे जो विचार है वो तेज डिलीवरी और डॉक्यमेंट तक आसान पहुंच के होना का है। आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस डिजिटल मोड में पहले से ही उपलब्ध हैं।१९९३ में आए इलेक्टर वोटर आईडी कार्ड पहचान औ- पते दोनों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

# चीन के जेएफ-१७ से कहीं ज्यादा ताकतवर है तेजस

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया के कई देशों ने तेजस हल्के लड़ाकू विमान एलसीए खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। अगले कुछ वर्षों में एचएएल को पहला निर्यात ऑर्डर मिलने की संभावना है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर माधवन ने यह जानकारी दी। माधवन ने यह भी बताया कि भारतीय वायुसेना को तेजस विमान की आपूर्ति मार्च २०२४ से शुरू कर दी जाएगी। कुल ८३ विमानों की आपूर्ति न होने तक उसे हर वर्ष करीब १६ विमान सौंपे जाएंगे। एचएएल अध्यक्ष ने कहा कि तेजस मार्क-१ए विमान चीन के जेएफ-१७ से ज्यादा उत्कृष्ट है। इसका इंजन, राडार प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध सुइट कहीं अधिक बेहतर है। सबसे बड़ा अंतर हवा से हवा में ईंधन भरने का है, जो कि प्रतिद्वंद्वी विमान में मौजूद नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने १३ जनवरी को ४८ हजार करोड़ रुपये की लागत से एचएएल से ७३ तेजस एमके-१ए विमान और दस एलसीए तेजस एमके-१ प्रशिक्षण विमान खरीदने की मंजूरी दी थी, ताकि भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता को और मजबूत बनाया जा सके। माधवन ने कहा कि विमान की मूल लागत २५ हजार करोड़ रुपये है, जबकि ११ हजार करोड़ रुपये का इस्तेमाल हवाईअड्डे पर सहायक उपकरण एवं अन्य ढांचे के विकास में किया जाएगा। वहीं, करीब सात हजार करोड़ रुपये सीमा शुल्क और जीएसटी पर खर्च होगा। एचएएल अध्यक्ष के मुताबिक तेजस के हर लड़ाकू संस्करण की कीमत ३०९ करोड़ रुपए होगी। वहीं, प्रशिक्षण विमान २८० करोड़ रुपए में मिलेगा। ४८ हजार करोड़ की कुल लागत में २५०० करोड़ रुपए डिजाइन और विकास लागत है, जो एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी को दिया जाएगा। करीब २२५० करोड़ रुपए विदेशी मुद्रा विनिमय दर के लिए रखा गया है। तेजस एमके-१ए सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक स्कैंड राडार, मिसाइल की दृश्यता सीमा से परे की तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक सुइट और हवा से हवा में ईंधन भरने की प्रणाली से लैस होगा। सौदे के लिए एचएएल और भारतीय वायुसेना के बीच पांच फरवरी को एयरो इंडिया प्रदर्शनी में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की मौजूदगी में औपचारिक दस्तखत होने की संभावना है। माधवन ने कहा, ढांचागत विकास और विमान की आपूर्ति के लिए तीन वर्ष की सामरिक समयसीमा है। हम समयसीमा का पालन करेंगे। पहले विमान की आपूर्ति मार्च २०२४ में होने की संभावना है।

# सड़क दुर्घटना में मृत कार्यकर्ता के परिवार को दिया मुआवजा : प्रियंका गांधी

गाजीपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की एआईसीसी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने सड़क दुर्घटना में मृत एक कार्यकर्ता के परिवार को आर्थिक मदद भेजी। वह एक पार्टी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यात्रा कर रहा था जब दुर्घटना का शिकार हो गया। यूपी कांग्रेस के एक शीर्ष सूत्र ने एएनआई को बताया गाजीपुर जिले में हमारे एक समर्पित कार्यकर्ता त्रिभुवन सिंह की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जब वह अपने ब्लॉक अध्यक्ष के साथ अपने क्षेत्र में एक पंचायत की बैठक में भाग लेने जा रहे थे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने परिवार के सदस्यों से बात की और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति के बारे में जाना। इसके बाद उन्होंने प्रभारी सचिव बाजीराव खरे को पार्टी की ओर से २ लाख की आर्थिक मदद पीड़ित परिवार को देने को कहा। सूत्र ने कहा कि रविवार को बाजीराव ने त्रिभुवन सिंह के परिवार से मुलाकात की और उन्हें मदद पहुंचाई। बाजीराव खरे ने ट्वीट कियाप्रियंका गांधी जी की ओर से, कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में, यूपी कांग्रेस से २ लाख का चेक सम्मानित त्रिभुवन सिंहजी के परिवार को दिया जाता है, जो एक पार्टी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यात्रा करते समय सड़क दुर्घटना में मारे गए थे। यूपी कांग्रेस में एक अन्य नेता ने कहा कि एक व्यक्ति के जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता है लेकिन गांधी ने इस जेस्चर से पार्टी कैडर को संदेश पहुंचता है कि नेतृत्व बुरे समय में उनके साथ है। यह कदम ठाकर प्रियंका गांधी ने दिखा दिया कि पार्टी का हर कार्यकर्ता, किसी भी स्तर से, महत्वपूर्ण है।

# दो हफ्ते में चल पड़े लकवाग्रस्त चूहे, जगी उम्मीदें

बर्लिन (ईएमएस)। जर्मनी में पैरालिसिस यानी लकवे का इलाज ढूंढ रहे वैज्ञानिकों ने चूहों पर सकारात्मक असर पाया है। इस शोध से दुनियाभर में लकवे से पीड़ित करीब ५४ लाख लोगों के लिए उम्मीद जगी है। वैज्ञानिकों को रिसर्च के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता मिली है। जर्मनी की रूर यूनिवर्सिटी बोकम के रिसर्चर्स ने खराब हो चुकी चूहे की रीढ़ की हड्डी में प्रोटीन की मदद से नसें फिर से तैयार की हैं। इन चूहों के पीछे के पैर चलना बंद हो चुके थे लेकिन इलाज के बाद दो-तीन हफ्ते में वे चलने लगे। टीम ने हाइपर-इंटरल्यूकिन-६ बनाने के लिए मोटर-सेंसरी कॉर्टेक्स के नर्व सेल इंड्यूस किए। ऐसा करने के लिए जेनेटिकली इंजीनियर वायरस को इंजेक्ट किया गया जिसमें खास नर्व सेल में प्रोटीन बनाने का ब्लूप्रिंट होता है। रिसर्चर्स अब यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि हाइपर-इंटरल्यूकिन-६ का चूहे पर सतारात्मक असर होता है या नहीं जब चोट कई हफ्ते पुरानी होती है। इसकी मदद से समझ आएगा कि इंसानों का पर ट्रायल के लिए यह तैयार है या नहीं। ये प्रोटीन रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचाने वाली चोट के खिलाफ काम करता है। चोट से ऐग्जॉन खराब होते हैं जो खाल और मांसपेशियों से दिमाग तक सिग्नल लाते- ले जाते हैं। जब ये काम करना बंद कर देते हैं तो संदेश भी बंद हो जाता है। अगर ये फाइबर चोट के बाद ठीक नहीं होते हैं तो मरीज को लकवा हो जाता है। डायटमैन फिशर ने बताया है कि कुछ नर्व सेल के जीन थेरेपी से इलाज से दिमाग के अलग-अलग हिस्सों में नर्व सेल और रीढ़ की हड्डी में मोटरन्यूरॉन में ऐग्जॉन रीजनरेट होते हैं। इससे पहले न चल पाने वाले जीव दो-तीन हफ्ते में चलने लगते हैं। रिसर्चर्स ने बताया है कि यह प्रोटीन न सिर्फ नर्व सेल को शुरू करता है बल्कि दिमाग तक भी जाता है। इन वायरस को जीन थेरेपी के लिए भी तैयार किया गया। इसके जरिए ऐसे प्रोटीन बने जो नर्व सेल को गाइड कर सकें जिन्हें मोटरन्यूरॉन कहते हैं। ये सेल दूसरे नर्व सेल से जुड़े होते हैं जो चलने के लिए जरूरी होते हैं। ये प्रोटीन यहां तक पहुंचाया जाता है।

# कर्पूरी ठाकुर की तरह मुझे भी कार्यकाल के बीच में ही सीएम पद से हटाया जा सकता : नीतीश कुमार

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को डर है कि उनको कार्यकाल के बीच में ही सीएम की कुर्सी से हटाया जा सकता है। रविवार को पटना में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम नीतीश ने अप्रत्यक्ष तौर पर कुछ इसी तरह का इशारा किया। सीएम नीतीश ने कहा कि जननायक के साथ अन्याय क्यों हुआ? कर्पूरी ठाकुर जी ने अतिपिछड़ों को आरक्षण दिया। नाराज लोगों ने २ साल कुछ महीने में ही उन्हें हटा दिया। हमलोग भी सबके हित में काम कर रहे हैं। कभी-कभी सबके हित में काम करने से कुछ लोग नाराज हो जाते हैं। किसी की भी हमने उपेक्षा नहीं की है। बिहार निरंतर आगे बढ़ रहा है। बेहद गरीब परिवार में पैदा हुए कर्पूरी ठाकुर बिहार की राजनीति में शिखर तक पहुंचे और दो बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। पहली बार २२ दिसंबर, १९७० को उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और २ जून, १९७१ को पद से इस्तीफा दे दिया था। दूसरी बार वे २४ जून, १९७७ को राज्य का मुख्यमंत्री बने और मजबूरन २१ अप्रैल, १९७९ को पद से इस्तीफा देना पड़ा। नीतीश कुमार जननायक के दूसरे कार्यकाल की तरफ इशारा करते हुए यह बात कह रहे थे। इसके आगे नीतीश कुमार ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर के विचारों को जमीन पर उतारने के लिए हम प्रयत्नशील हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, लोकनायक जय प्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, जननायक कर्पूरी ठाकुर के विचारों से हमलोग प्रेरित होकर काम कर रहे हैं। हमलोगों ने न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर काम करते हुए हर इलाके और हर तबके का विकास किया है। हाशिए पर रह रहे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष पहल की गई। सीएम ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को ५० प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिससे समाज के हर तबके की महिलाएं जनप्रतिनिधि के तौर पर जनसेवाओं से जुड़ीं। अतिपिछड़ों को अनुसूचित जाति, जनजाति की तरह ही उद्योग लगाने, शिक्षा प्राप्त करने एवं अन्य कई क्षेत्रों में सुविधाएं दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ सत्ता का सुख लेना चाहते हैं। हमारे लिए सत्ता का बस एक मतलब है और वो है सेवा। लोगों की सेवा करना ही हमारा धर्म है। मैं वचन देता हूं, जब तक हम हैं, लोगों की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी नीतियां बनाई उसका लाभ सबको मिला है। सरकार में आने के पहले ही दिन से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक समाज, अतिपिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम चलाए गए हैं।

# कोरोना की चपेट में आए मेक्सिको के राष्ट्रपति

मेक्सिको सिटी (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण की चपेट में मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मेनुएल लोपेज ओब्राडोर भी आ गए हैं। रविवार को उन्होंने कहा कि वह कोविड-१९ से पीड़ित हैं तथा उनमें इसके मामूली लक्षण हैं। ओब्राडोर ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर यह जानकारी दी और कहा कि उनका उपचार चल रहा है। उन्होंने लिखा, 'मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मैं कोविड-१९ से पीड़ित हूं। इसके लक्षण मामूली हैं तथा मेरा उपचार शुरू हो गया है।' इसके पहले यह घोषणा हुई थी कि कोरोना वायरस के रूस निर्मित टीके स्पूतनिक वी खुराकों की आपूर्ति के बारे में सोमवार को ओब्राडोर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे। मेक्सिको में कोरोना वायरस के १७ लाख से अधिक मामले हैं तथा यहां संक्रमण के कारण करीब १,५०,००० लोगों की मौत हो चुकी है।

Printed, Published,Edited & Owned by Hrushikesh Mishra, Published fromPlot No-385/1627,Jagada, Rourkela - 769042, Printed at Mahabir Printers, A/8, Commercial Estate, Rourkela H.O. : Plot No.1427, Fishery Lane, Lane-6, Chintamaniswar Temple Area, Bhubaneswar - 751 006, E-mail : kalingabharati@yahoo.co.in